भजन

तर्ज....तेरी राहों में खड़े हैं दिल थाम के

तेरे चरणों में बैठे दिल थाम के
आज होगे दीदार धनी–धाम के
1 सुन्दर रूप अनूप, मेरे युगल–स्वरूप नूरी इश्के सरूप,
आओ मीठे माशूक देख के तेरी छबि ये प्यारी
डूबे आनन्द में रूहें सारी (२)
याद आएं वो सुख परम–धाम के
आज होगेः.....

2 आनन्द मीठा दिल का तेरे करें रस– पान
रूह की नज़र से (२)
मिले रूहों को असल आराम ये
आज होगें.....

3 निरख – निरख तुझे दिल में समाएँ
बीच का पर्दा ये हट जाए (२)
तेरी मेहर हुकम से होगे काम ये
आज होगे –...